शब्द–ब्रह्म
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
E ISSN 2320 – 0871
17 सितम्बर 2020
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

एमसीएक्स व्यापार पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव का अध्ययन (विशेष संदर्भ कृषि एवं धातु क्षेत्र)

तृप्ति बड़जात्या (शोधार्थी)
स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय
डॉ.संजय अग्रवाल (निर्देशक)
एसोसिएट प्रोफेसर (कामर्स)
माता जीजाबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय
डॉ. सुरेश सिलावट
अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा
इंदौर, मध्यप्रदेश, भारत

शोध संक्षेप

प्रस्तुत शोध पत्र में MCX व्यापार पर वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रभाव का अध्ययन करना है। शोध का प्रमुख क्षेत्र कृषि एवं कीमती धातुओं के व्यापार पर प्रभाव पर प्रकश डालना है। वर्तमान में वैश्विक महामारी ने सभी देशों की GDP पर प्रभाव डाला है एवं सभी देशों की व्यापारिक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर दिया है। अतः MCX व्यापार पर कोविड -19 के प्रभाव का अध्ययन यहाँ प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत शोध पत्र कोविड19 महामारी के प्रभाव के उपरांत इस व्यापार की कार्य प्रणाली और व्यापार के सौदो पर क्या प्रभाव पड़ा है एवं इस महामारी के कारण इस वायदा व्यापार का वस्तुओं के सौदे पर क्या प्रभाव होगा और MCX के व्यापार के लिये भविष्य में क्या संम्भावनाएँ होंगी। इसका शोध पत्र में विवेचन किया गया है।

मुख्य शब्द *: MCX, कोविड-19, भविष्य व्यापार, GDP, महामारी, WHO, DAT*

परिचय

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था उस देश में संचालित हो रहे व्यापार-व्यावसाय पर निर्भर करती है। अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए व्यापारिक गतिविधियों का निरन्तर जारी रहना अतिआवश्यक होता है। यह व्यापारिक गतिविधि देश में विभिन्न रोजगारों का निर्माण करती है और विभिन्न वर्ग के व्यक्ति लाभान्वित होते हैं तथा पुनः इस अर्थव्यवस्था को आगे चलाने में मदद करते हैं। यह क्रम निरन्तर चलता रहता है। विकासशील अर्थव्यवस्था सतत् एवं मजबूत तथा समृद्ध बन सके और देश तथा व्यापार का विकास हो सके। हमारे देश में कई प्रकार के व्यापार, व्यवसाय का संचालन कई सदियों से होता आ रहा है। इन व्यापारिक गतिविधियों से जुड़ कर कई लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है जिससे वे अपना भरण-पोषण कर रहे हैं।

शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 सितम्बर 2020
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

सभी गतिविधियाँ निरन्तर चल रहीं थीं, लेकिन अचानक वैश्विक स्तर पर दिसम्बर 2019 में एक महामारी ने दस्तक दी, जो शुरू में बहुत ही सामान्य लग रही थी, लेकिन धीरे-धीरे इसने सम्पूर्ण विश्व में अपनी जड़ें फैला दी हैं और सम्पूर्ण विश्व की व्यापारिक गतिविधियों को ताला लगा दिया, जिससे व्यापार और व्यवसाय, रोजगार, अर्थव्यवस्था सभी बंद हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 को वैश्विक महामारी घोषित किया। इस बीमारी ने सभी देशों की अर्थव्यवस्था एवं GDP पर कुछ इस तरह से प्रभाव डाला कि उद्योग, व्यापार, रोजगार सब स्थिर हो गये। इस महामारी का असर हमारे भारत देश में मार्च माह के प्रथम सप्ताह से देखने को मिला और इसका असर आगे बढ़ता ही चला गया। अतः हमारे देश की GDP अर्थव्यवस्था, रोजगार आदि बहुत अधिक प्रभावित हो गई। इस महामारी से उबरने में अर्थव्यवस्था को उबरने में अभी समय लगेगा।

कोविड-19 का परिचय

कोविड-19 अर्थात कोरोना वायरस चीन के वुहान शहर से प्रारंभ हुई बीमारी है। इससे सम्बंधित पहला मामला अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में सामने आया। मनुष्य से मनुष्य में फैलने वाले इस अदृश्य वायरस से बचने की न तो कोई दवाई उपलब्ध है और न कोई वेक्सीन। यह वायरस मनुष्य शरीर में नाक, मुख और आँखों से प्रवेश कर सीधे श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। चिकित्सकीय जानकारी के अभाव में लाखों लोग असमय मृत्यु के शिकार हुए। किसी को यह अंदाज नहीं था कि अल्प समय में यह वायरस पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेगा। इसकी गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैश्विक महामारी घोषित किया। दुनिया के देशों ने लाकडाउन की घोषणा की और अर्थव्यवस्था के पहिये थम गए।

भारत देश में कोविड-19 का प्रभाव मार्च 2020 के प्रथम सप्ताह से देखने को मिला और थोड़े समय में ही सम्पूर्ण देश इसकी गिरफ्त में आ गया। मार्च 2020 के अंतिम सप्ताह में देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सम्पूर्ण देश में कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए लाकडाउन घोषित कर दिया। इसके फलस्वरूप देश में सभी आर्थिक गतिविधियों को बंद कर दिया गया। बस, ट्रेन, हवाई जहाज, सब स्थिर हो गये। इसका असर व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियों पर इस तरह से पड़ा कि सभी वर्गों के लोग प्रभावित हुए। लाकडाउन कई चरणों में प्रभावशील रहा, लेकिन कुछ समय पश्चात आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देने के लिए देश में अनलाक की प्रक्रिया शुरू की गयी। शोध पत्र लिखे जाने तक देश में कुल कोरोना प्रभावित मरीजों की संख्या 1435453 और मरने वालो की संख्या 32771 थी। अभी इस बीमारी का कोई टीका (Vacsin) बाजार में उपलब्ध नहीं है। जब तक टीका नहीं आयेगा तब तक व्यापार पर इसका प्रभाव बना रहेगा।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) व्यापार का परिचय

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के द्वारा भिन्न-भिन्न वस्तुओं के भविष्य के लिए अनुबंध सौदे किये जाते हैं, जिसे वायदा बाजार कहा जाता है। विभिन्न वस्तुओं का वायदा व्यापार (सौदा) का संचालन, ट्रेडिंग सौदे का निपटारा आदि व्यापारिक केन्द्रों से संचालित किया जाता है, जो पूर्ण रूप से इलेक्ट्रानिक तकनीक पर आधारित होकर कम्प्यूटर और इंटरनेट का उपयोग कर

संचालित किया जाता है। मुख्य रूप से इस व्यापार द्वारा कृषि क्षेत्र, मूल्यवान धातु, प्राकृतिक गैस, रसायन, कच्चे तेल का व्यापार संचालित किया जाता है। इस व्यापार में लगभग 40 वस्तुओं के व्यापार को संचालित किया जाता है।

वायदा व्यापार का इतिहास भारत की स्वतंत्रता के पहले से ही था। इसे अंग्रेजों द्वारा बंद कर दिया गया था। इसे सन् 1952 से पुनः शुरू किया गया, लेकिन कुछ समय बाद वापस बंद कर दिया गया। इस व्यापार का स्वरूप बदलकर सन् 2003 से MCX के रूप में अधिकृत व्यापार केन्द्र बनाकर पुनः शुरू किया गया, जो आज तक सफलता से वायदा व्यापार को संचालित कर रहा है। व्यापार में पारदर्शिता और तकनीक का उपयोग होने से यह व्यापार सम्पूर्ण भारत में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है और सफलता के नये आयाम स्थापित कर रहा है। इसके फलस्वरूप कई व्यापारिक संगठन और नयी वस्तुओं को इस व्यापार के साथ सफलतापूर्वक जोड़कर प्रणाली की और अग्रसर किया जा रहा है। यह वायदा व्यापार भारत में अन्य वायदा व्यापार केन्द्र विभिन्न क्षेत्रीय व्यापारिक केन्द्रों से भी संचालित किया जा रहा है। लेकिन MCX केन्द्र एक व्यवसायिक संगठन की तरह कार्य करता है, जिससे इस व्यापार से जुड़े ग्राहकों-व्यापारियों को MCX पर अधिक विश्वास है। इस कारण भारत में वायदा व्यापार का 80 प्रतिशत व्यापार MCX के व्यापारिक केन्द्रों से संचालित किया जा रहा है। MCX के व्यापार को बढ़ाने और इसकी विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिये इसे विश्व के कई वायदा व्यापार केन्द्रों के साथ जोड़ा गया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का संगठन बनाया गया है। इसके फलस्वरूप कंपनी में 270001 : 2005 और 140001 : 2004 में ISO प्रमाणीकरण का समावेश हुआ। इसमें वस्तुओं की शुद्धता को और प्रभावशाली बनाने के लिये व्यापारिक वस्तुओं के सौदों की गुणवत्ता को भी प्रमाणित किया जाने लगा है। इस व्यापार को हमारे देश में कई युवाओं ने बहुत तेजी से अपनाया है और रोजगार का प्रमुख साधन बनाया है। MCX वस्तुओं के व्यापारिक सौदे सरकार द्वारा पारित क़ानून के अंतर्गत किये जाते हैं। इस तरह इसे देश के अग्रणी वित्तीय संगठनों और बैंकों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। MCX व्यापार से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, क्योंकि इसके द्वारा विभिन्न वस्तुओं के सौदों पर सरकार को 18 प्रतिषत GST प्राप्त होता है जो सरकारी राजस्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। MCX व्यापार ने भारतीय पारंपरिक व्यापार में भी अपनी अच्छी जगह बनाई है। अतः भारत में MCX व्यापार का भविष्य उज्जवल है।

शोध कार्य का उद्देश्य

i प्रस्तुत शोध कार्य का उद्देश्य (1) वैश्विक स्तर पर फ़ैली महामारी कोविड-19 का MCX व्यापार पर प्रभाव जानना है।

ii विश्व स्तर पर फैली महामारी कोविड-19 के प्रभाव के कारण Mcx व्यापार के भविष्य पर प्रभाव को जानना।

iii विश्व स्तर पर फैली महामारी कोविड-19 का MCX पर कीमती धातु और कृषि क्षेत्रों के व्यापार पर प्रभाव का अध्ययन करना।

साहित्य समीक्षा

1. एस. महेन्द्र देव, राजेशवरी सेम गुप्ता (2020)

शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र का विषय भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव का अध्ययन करना था। इस अध्ययन से शोधकर्ताओं द्वारा कोविड-19 के पूर्व एवं कोविड-19 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर किस तरह का प्रभाव पड़ा है। इसका तुलनात्मक अध्ययन किया है। इस अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा बैंकिंग क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र छोटे व्यापारी वर्ग, वित्तीय संस्थाओं, वित्तीय बाजार को आधार बनाकर शोध कार्य किया गया। यह शोध कार्य पूर्ण रूप से द्वितीय समंक पर आधारित है, जो कई शोधपत्र, अंकेक्षण रिपोर्ट, वित्तीय संस्थाओं की रिपोर्ट, कृषि क्षेत्र एवं बैंकिंग क्षेत्र से प्राप्त आंकड़ों को एकत्रित किया गया है। शोधकर्ताओं द्वारा इस शोध अध्ययन को पूर्ण करना एवं निम्न बिन्दुओं का समावेश कर यह निष्कर्ष निकाला है कि कोविड-19 ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत प्रभावित किया है क्योकि यहाँ पर जनसंख्या और मजदूर वर्ग बहुत अधिक है। सरकार के सामने वस्तुओं की मांग और आपूर्ति के मध्य संतुलन बनाये रखना बहुत मुश्किल हो रहा है। कोविड-19 के प्रभाव से उबरने के लिए आने वाले समय में सरकार को गरीबों और उद्योग जगत को आर्थिक मदद करनी होगी। वैश्विक महामारी कोविड-19 ने भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक प्रभावित किया है।

2. विकास रावल/अंकुर वर्मा (2020) प्रस्तुत शोध पत्र में शोधकर्ताओं द्वारा कोविड-19 का प्रभाव कृषि क्षेत्र पर कैसे पड़ा इसका अध्ययन शोध पत्र में किया गया है। शोधकर्ताओं ने द्वितीय समंक का उपयोग किया है। कोविड-19 के संक्रमण के कारण सम्पूर्ण देश में लाकडाउन के दौरान कृषि क्षेत्र की वस्तुओं का मूल्य व आयत निर्यात की स्थिति के लिए Agmark.net से डाटा को एकत्रित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से गेंहू, चना, आलु, प्याज, टमाटर, दालें, तेल, बीज, आदि वस्तुओं का समावेश किया गया और इनके मूल्य व आयत-निर्यात का तुलनात्मक अध्ययन गतवर्ष से किया गया है। इस शोधकार्य में, शोधकार्य का क्षेत्र सम्पूर्ण भारत के 32 राज्यों के लिए किया गया। शोधकर्ता ने अपने शोध कार्य का निष्कर्ष यह निकाला है कि भारत में कृषि क्षेत्र अधिक प्रभावित हुआ, क्योंकि कोविड-19 संक्रमण होने के कारण देश में अधिकतर अनाज, फल, खरीदी बिक्री बंद रही, इसलिए अनाज का आयात-निर्यात नहीं होने के कारण इसके व्यापार पर प्रभाव पड़ा।

3 मनीष झा का (2020) शोध पत्र कोविड-19 महामारी का वैश्विक स्तर के प्रभाव पर आधारित है। इस शोध कार्य के मुख्य उद्देश्य कोविड-19 का प्रभाव अर्थव्यवस्था रोजगार, व्यापार, शिक्षा पर कैसा पड़ा और अन्य देशों में कैसा रहा। इस महामारी के कारण क्या-क्या सामाजिक-आर्थिक नितियों में परिर्वतन करना होगा। इस शोध कार्य के मुख्य उद्देश्य है।

इस शोध कार्य में शोधकर्ता द्वारा द्वितीय समंक का चयन किया तथा इस शोधकार्य के लिए विश्व के प्रमुख देशों का चयन किया। शोधकर्ता द्वारा शोध कार्य का निष्कर्ष यह रहा है कि कोविड-19 ने सभी देशों की व्यापार प्रणाली, रोजगार, कर्मचारी, और लोगो की दिनचर्या को बदल दिया। कोविड-19 के प्रभाव के कारण प्रमुख देशों की सरकारों ने सरकारी नितियों में भी बदलाव किया है। कोविड-19 के प्रभाव के कारण आर्थिक एवं सामाजिक सभी स्तरों पर परिवर्तन का प्रभाव देखा गया है।

शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 सितम्बर 2020
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध कार्य करने के लिए द्वितीय डाटा का चयन किया गया है। यह डाटा शोध प्रक्रिया, शोधपत्र, व्यापार बुलेटिन, व्यापारिक रिपोर्ट, व्यापारिक वेबसाईट, समाचार पत्रों, आलेखों के माध्यम से एकत्र किया गया है और एकत्रित डाटा को दो भागों में बांटा गया है। पहला भाग जिसे कोविड-19 अप्रभाव (संक्रमण के पहले) नाम दिया गया है, जिसका समय खंड दिसम्बर-2019 से फरवरी- 2020 और द्वितीय को संक्रमण प्रभाव काल नाम दिया है। जिसका समय खंड मार्च - 2020 से जुलाई-2020 रखा गया है। इस कालखंड में MCX व्यापार पर कोविड-19 का क्या प्रभाव पड़ा। विशेष संदर्भ कृषि एवं धातु क्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन किया है और प्राप्त जानकारी को औसत एवं प्रतिषत विधि से इस शोधपत्र में प्रस्तुत किया गया है।

डाटा विश्लेषण

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को उसकी GDP से मापा जाता है। इस शोध अध्ययन के माध्यम से कोविड-19 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव को ज्ञात करने के लिए GDP का तुलनात्मक अध्ययन किया है। इसके अनुसार जनवरी-मार्च 2020 में देश की GDP 4.2% रही जबकि इस समय गतवर्ष जनवरी-मार्च 2019 में भारतीय GDP 6.2% रही थी, जो कि इस वर्ष से 2 प्रतिशत अधिक ज्ञात होती है। इस अध्ययन को आगे बढ़ाते हुए अप्रैल-जून 2020 में भारतीय GDP 3.1 प्रतिशत रही है, जोकि कोविड-19 संक्रमण का दौर रहा है। अप्रैल-जून 2019 में यह 4.4 रही है। यह 2020 से अधिक रही है। उपर्युक्त तुलनात्मक अध्ययन से ज्ञात होता है कि कोविड-19 का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर हुआ है। इसलिए संक्रमण काल के दौरान GDP कम रही है। MCX के व्यापार का अध्ययन करने पर पता चलता है कि कोविड-19 के संक्रमण से पहले मार्च 2020 तक व्यापार का नेट सेल्स 104.59 करोड़ और व्यापारिक वृद्धि दर 33.34 प्रतिशत रही है। लेकिन कोविड-19 के संक्रमण के बाद जून 2020 तक MCX की व्यापार वृद्धि दर 23 प्रतिशत रह गयी है। इस अध्ययन को और आगे बढ़ाते हुए MCX वायदा व्यापार केंद्र में वस्तुओं के रोजाना टर्नओवर में 16 प्रतिशत की कमी देखी गयी है। यह पहले 27443 करोड़ था, अब घटकर 23119 करोड़ रह गया है।

MCX का DAT (Daily Average Turnover) कोविड-19 के प्रभाव के कारण 38 प्रतिशत से कम रह गया है, जो अप्रैल 2013 के न्यूतम DAT से भी कम है।

कोविड-19 का प्रभाव MCX में कृषि क्षेत्र के व्यापार पर स्पष्ट रूप से देखा गया है, जो कि कोविड-19 संक्रमण के दौरान अगस्त 2020 में 1304 करोड़ रहा है और संक्रमण के पूर्व जनवरी से मार्च 2020 तक कृषि क्षेत्र का व्यापार 2104 रहा है। दोनों की तुलना से पता चलता है कि कोविड -19 का MCX में कृषि व्यापार पर असर हुआ है।

MCX व्यापार के अन्तर्गत कोविड-19 का प्रभाव धातु क्षेत्र के व्यापार पर देखने को मिला है। अध्ययन में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मार्च-जून 2020 में कोविड-19 संक्रमण के दौरान एलुमीनियम, कोपर, लीड, निकल, जिंक का व्यापार 2418 करोड़ रहा है और कोविड-19 के पूर्व धातु क्षेत्र का व्यापार 4757 करोड़ रहा था। संक्रमण के दौरान MCX में धातु क्षेत्र के व्यापार

में स्पष्ट रूप से कमी देखी जा रही है। उपर्युक्त शोध कार्य से यह भी ज्ञात हुआ है कि कोविड19 के कारण MCX ने अपने व्यापारिक समय में कटौती की थी और सम्पूर्ण देश में लाकडाउन होने के कारण से कमी ज्ञात होती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन से ज्ञात होता है कि सम्पूर्ण विश्व में कोविड-19 महामारी के संक्रमण फैलने के कारण इसका प्रभाव MCX के व्यापारिक सौदों पर पडा। सम्पूर्ण देश में लाकडाऊन घोषित होने से आर्थिक गतिविधियाँ रोक दी गयीं। अनाज मंडी, व्यापारिक और औद्योगिक इकाइयाँ बंद रहीं, जिसका असर वस्तुओं की मांग और पूर्ति पर हुआ। इस कारण MCX के व्यापार पर भी इसका सीधा असर देखने को मिला है। यह दीर्घकाल तक बना रह सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ

1. इंदिरा गांधी डेवलपमेंट रिसर्च मुम्बई एपीआर-2020, डॉ. महेन्द्र सेन गुप्त

2. सोसाईटी फार सोशल एण्ड इॅकोनोमिकल रिसर्च, आइएसबीएन 937143-5-0 पेज 978-981 एसएसइआर जून 2020

3. इंटरनेशल जर्नल आफ कम्युनिटी एण्ड सोशल डेवलपमेंट, पेज 111-120 2020

वेबसाईट्स

- *www.moneycontrol.com*
- *www.economictimes.com/indiatimes*
- *www.economictimes/indiatimes/marketstock/earning/MCX*
- *www.business-standard.com.*
- *www.caronavirusdisease-2019*

www.MCXof india/Business/Agriculture/Metal

- *www.worldmetals.com/info*
- *www.aarogyasetu.com*